



वर्ष 13 Volume II

अप्रैल-जून APRIL-JUNE 2020

अंक Issue XLIX

सेवानिवृत्त विदाई सम्मान परेड समारोह



डॉ. केपी सिंह भापुसे पुलिस महानिदेशक राज्य सतर्कता ब्यूरो हरियाणा को श्री मनोज यादव भापुसे, पुलिस महानिदेशक हरियाणा द्वारा स्मृतिचिन्ह भेंट।



कोविड-19 के हालात में कानून एवं व्यवस्था दृढ़ी के कारण 18 मार्च 2020 को स्थगित किया गया परिवीक्षु उप-निरीक्षकों का आधारभूत प्रशिक्षण 14 जून 2020 से पुनः आरम्भ हो गया।

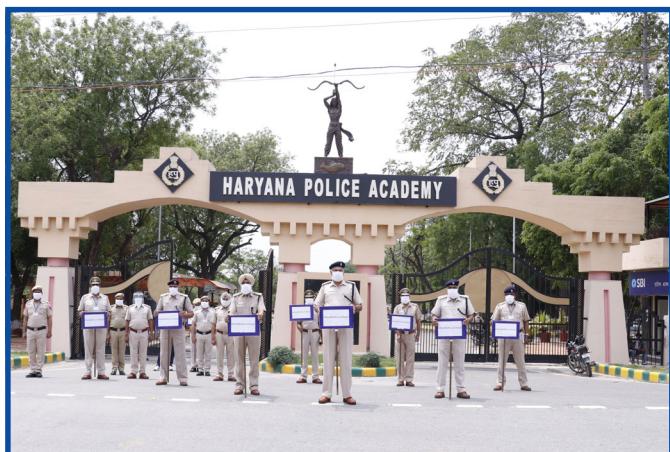
अकादमी निदेशक सहित स्टाफ ने धारण की 'हरजीत सिंह' की नाम पट्टिकाएं

कोरोना योद्धाओं के प्रति सम्मान किया व्यक्त

27 अप्रैल 2020 : कोरोना योद्धाओं को समर्पित 'मैं भी हूं हरजीत सिंह' अभियान में भागीदारी करते हुए अकादमी के अधिकारियों और कर्मचारियों ने कोविड-19 के खिलाफ लड़ने वाले अग्रिम पंक्ति के कोरोना योद्धाओं - पुलिस, डाक्टरों, स्वास्थ्य और सफाईकर्मियों के प्रति सम्मान और समर्थन व्यक्त किया।

इस अवसर पर सामाजिक शारीरिक दूरी की पालना करते हुए अकादमी निदेशक पुलिस महानिरीक्षक श्री योगिंद्र सिंह नेहरा भापुसे ने साथी अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ 'मैं भी हूं हरजीत सिंह' पट्टिकाएं प्रदर्शित कीं। सभी ने प्रतः 10 बजे से पूरे दिन के लिए बर्दी पर लगाई जाने वाली नाम-पट्टिका पर अपने नाम के स्थान पर हरजीत सिंह का नाम लिखा। अकादमी निदेशक श्री नेहरा ने इस अवसर पर पंजाब पुलिस के बहादुर उप निरीक्षक हरजीत सिंह के स्वास्थ्य लाभ के लिए प्रार्थना की और उनके हौसले का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि पटियाला में कोविड-19 ड्यूटी पर नाकाबंदी के दौरान हरजीत सिंह ने बहादुरी के साथ अपराधियों का सामना किया और हमले में हाथ कट जाने के बाद भी अपना धैर्य नहीं खोया। इस प्रकार उन्होंने संकट के समय शांत रहने, साहस और धैर्य जैसे सच्चे सिपाही के गुणों का प्रदर्शन किया है। पंजाब पुलिस के महानिदेशक श्री दिनकर गुरा भापुसे द्वारा कोरोना योद्धाओं के प्रति एकजुटता और सम्मान प्रदर्शित करने के लिए सोशल मीडिया पर 'मैं भी हूं हरजीत सिंह' नाम से जो अभियान चलाया गया है, हरियाणा पुलिस अकादमी भी उसमें साथ खड़ी है। अकादमी देश के कोने-कोने में कोविड-19 के विरुद्ध लड़ाई में शामिल सभी योद्धाओं के प्रति सम्मान व्यक्त करती है।

इस अवसर पर अकादमी के पुलिस अधीक्षक श्री कृष्ण मुरारी भापुसे, डीएसपी श्री शीतल सिंह धारीवाल, श्री राजकुमार, श्री सुंदर सिंह व अकादमी के समस्त कर्मचारियों ने दिनभर हरजीत सिंह नाम की नाम-पट्टी लगाई और अभियान में भागीदारी की।



साहस की पहचान संकट में होती है : योगिन्द्र सिंह नेहरा

डूबते को बचाने वाले प्रशिक्षकों को किया सम्मानित

2 मई 2020 को अकादमी के मध्य गुजरने वाली आवर्धन नहर में डूब रहे व्यक्ति का जीवन अकादमी के दो प्रशिक्षकों ने साहस व सूझबूझ से बचा लिया। अकादमी में भारतीय सेना से प्रशिक्षण ड्यूटी पर आए प्रशिक्षक नायक दान बहादुर राणा व नायक राकेश कुमार ने रात को नहर में डूब रहे 55 वर्षीय करनाल निवासी व्यक्ति को बचाया। उन्होंने नहर के खतरनाक तेज बहाव की परवाह न करते हुए पानी में छलांग दी और डूबते व्यक्ति को बाहर निकाला। उसे कृत्रिम श्वास देकर उसका जीवन बचाया। अकादमी के निदेशक श्री योगिन्द्र सिंह नेहरा ने नायक दान बहादुर राणा और नायक राकेश कुमार के अदम्य साहस की दिल से सराहना करते हुए कहा कि साहस की पहचान संकट में होती है हमारे प्रशिक्षकों ने डूबते व्यक्ति के जीवन को बचाने का प्रेरक कार्य किया है। निदेशक अकादमी ने उन्हें प्रथमश्रेणी प्रशंसापत्र से भी सम्मानित किया।



निरीक्षक श्री अमरीक सिंह चहल ने बताया कि दोनों प्रशिक्षक रात को आवर्धन नहर पर सुरक्षा ड्यूटी में गश्त पर थे। मध्य रात्रि के बाद इन्हें पानी में कुछ आवाज सुनाई दी लेकिन अंधेरे के कारण कुछ दिखाई नहीं दिया। टॉर्च की रोशनी से जब इन्होंने इलाके को खोजना आरम्भ किया तो पानी में कपड़ा दिखाई दिया। दोनों प्रशिक्षकों ने क्षणभर में आपसी सूझबूझ से निर्णय लिया और नायक दानबहादुर राणा ने अपनी जान की परवाह न करते हुए तेज बहते हुए पानी में छलांग लगा दी। राकेश ने योजना अनुसार पेड़ के लंबे डंडे को पानी में लटका दिया। नायक राणा ने डूबते हुए व्यक्ति को पकड़ लिया और किनारे की तरफ आते हुए उसी डंडे के सहरे से नहर के ऊंच एवं चढाई वाले किनारों से बाहर आ गए। इस प्रकार दोनों जांबाज प्रशिक्षकों ने अपनी जान को जोखिम में डालकर एक नागरिक के जीवन को बचा लिया। बाद में इसे जिला पुलिस और उसे परिवारजनों को सौंप दिया गया।

नायक दान बहादुर राणा सेना में पीटी के प्रशिक्षक हैं और इस समय 2 साल के लिए हरियाणा पुलिस अकादमी में सेवा दे रहे हैं। नायक राणा ने बताया कि जब नहर में डूबते हुए व्यक्ति का पता चला तो उन्हें अपनी सुरक्षा और दूसरे का जीवन बचाने के बीच कुछ ही पलों में निर्णय लेना था। जो बहुत मुश्किल था। लेकिन उन्हें मिली सिखलाई से तुरंत निर्णय कर लिया गया और अपने साथी राकेश की सहायता से डूबते व्यक्ति को बचाने के लिए तेज बहती नहर में छलांग लगाने को चुना। बाहर निकालने पर वह व्यक्ति बेहोश था। उसे उल्टा लिटाकर पहले पानी निकाला और फिर कृत्रिम श्वास देने की प्रक्रिया पूरी की। उसे होश में आया देखकर दोनों की खुशी का ठिकाना न रहा।

नायक राकेश कुमार सेना के कमाण्डो प्रशिक्षक हैं और 2 साल के लिए अकादमी में तैनात हैं। उन्होंने बताया कि डूबते को बचाने में पल भर की देरी जीवनभर का मलाल बन जाती है। एक सैनिक न तो अपने सामने दुश्मन को बर्दाशत कर सकता और न ही अपने देशवासी को संकट में देख सकता है। नायक राणा और नायक राकेश कुमार काफी समय से एक साथ ड्यूटी पर रहते हुए उनमें परस्पर विश्वास मजबूत हुआ है जिसके चलते बचाव कार्य में देरी नहीं हुई। उन्हें खुशी है कि वे अपने एक देशवासी का तो जीवन बचा पाए।



अकादमी में मनाया गया आतंकवाद विरोधी दिवस

आतंकवाद के खिलाफ लड़ने और सामाजिक सद्भाव मजबूत करने की ली शपथ

21 मई 2020 को अकादमी की डॉ. भीमराव आंबेडकर रंगशाला में एकत्रित होकर हरियाणा पुलिस अकादमी के अधिकारियों व कर्मचारियों ने आतंकवाद विरोधी दिवस मनाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में अकादमी निदेशक श्री योगिन्द्र सिंह नेहरा भापुसे ने उपस्थित पुलिस अधिकारियों एंव कर्मचारियों को आतंकवाद के खिलाफ लड़ने और सामाजिक सद्भाव मजबूत करने की शपथ दिलाई।

आतंकवाद विरोधी इस कार्यक्रम में उपस्थित पुलिस ने भारतवासी होने के नाते अपने देश की अहिंसा और सहनशीलता की परम्परा में दृढ़ विश्वास व्यक्त करते हुए सभी प्रकार के आतंकवाद और हिंसा का डटकर विरोध करने की शपथ ली। उन्होंने इस बात की भी निष्ठापूर्वक शपथ ली कि वे उन सभी विघ्नकारी शक्तियों का डटकर मुकाबला करेंगे जिनसे मानव जाति के सभी वर्गों के बीच शान्ति, सद्भाव, सूझबूझ कायम करने और मानव जीवन मूल्यों को खतरा पंहुचता हो।



मुख्य अतिथि ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि आतंकवाद भारत सहित दुनिया के अनेक देशों के लिए गंभीर समस्या है। भारत में बहातुर जवानों और जागरूक नागरिकों के योगदान से इस पर काफी हद तक काबू पा लिया गया है। भारत ने आतंकवाद जैसी समस्या से निपटने के लिए 21 मई का दिन समर्पित किया है। इस दिन आतंकवाद के कारण भारत ने अपने प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी को खोया था। हर साल परे देश में इस दिन को आतंकवाद विरोधी दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसका मकसद लोगों को आतंकवाद के समाज विरोधी कार्यों से अवगत कराना, लोगों के बीच शान्ति और मानवता का संदेश फैलाना है। युवाओं व समाज को आतंकवाद के खतरे के बारे में जागरूक करना है।

इस अवसर पर अकादमी के एसपी श्री कृष्ण मुरारी भापुसे, अकादमी के जिला न्यायवादी श्री आनंद मान, अकादमी के पुलिस उप-अधीक्षक श्री राजकुमार, पुलिस उप-अधीक्षक श्री शीतल सिंह धारीवाल, पुलिस उप-अधीक्षक श्री अजमेर सिंह, पुलिस उप-अधीक्षक श्री सुन्दर सिंह, पुलिस उप-अधीक्षक श्रीमती लक्ष्मी देवी, व अन्य स्टाफ उपस्थित रहा।

नवनियुक्त हरियाणा नागरिक सेवा के अधिकारियों के लिए ऑन-लाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

64 अधिकारियों ने की भागीदारी

1 से 5 जून 2020 तक हरियाणा नागरिक सेवा(कार्यकारी शाखा) के नवनियुक्त अधिकारियों और तहसीलदारों के लिए पांच दिन का पुलिस प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 64 अधिकारियों ने भाग लिया। कोविड-19 की स्थिति में प्रशिक्षण हेतु प्रोटोकॉल की पालना करते हुए यह कार्यक्रम ऑन-लाइन चलाया गया। अकादमी निदेशक श्री योगिन्द्र सिंह नेहरा भापुसे ने प्रतिभागियों को संकट कालीन प्रबंधन एवं नेतृत्व के गुण विषय पर ऑन-लाइन जानकारी दी। इस कार्यक्रम में पेशेवर नैतिकता, शिष्टाचार, पेशेवर कौशल, दण्ड प्रक्रिया संहिता के अनुसार कार्यकारी दण्डाधीश के अधिकार एवं कर्तव्य, कारागार अधिनियम, बन्दी अधिनियम, किशोर न्याय (बालकों की देखभाल एवं संरक्षण) अधिनियम 2015, पुलिस संगठन, सामुदायिक निगरानी, हरियाणा पुलिस अधिनियम 2007, जन-प्रतिनिधियों के साथ संपर्क के नियम एवं प्रोटोकॉल विषयों पर जानकारी दी गयी। हरियाणा पुलिस प्रशिक्षकों, पूर्व न्यायाधीश श्री अभय प्रताप सिंह, जिला कारागार सिरसा के अधीक्षक श्री शेर सिंह तथा पंजाब की अतिरिक्त महाधिवक्ता श्रीमती डॉ. दीपा सिंह, अकादमी के जिला न्यायवादी श्री आनंद मान, अकादमी के जिला उप-न्यायवादी श्रीमती अनीता मान, पुलिस उप-अधीक्षक श्री राजकुमार हपुसे व पुलिस उप-अधीक्षक श्री शीतल सिंह धारीवाल, ने ज्ञानवर्धन किया। कार्यक्रम में तकनीकी सहयोग हरियाणा पुलिस अकादमी द्वारा प्रदान किया गया।

प्रशिक्षणार्थियों हेतु ऑन-लाइन प्रशिक्षण का विधिवत शुभारम्भ

कोविड-19 के विरुद्ध बढ़ाए कदम

5 जून 2020 मध्यबून को हरियाणा पुलिस अकादमी मध्यबून के निदेशक श्री योगिन्द्र सिंह नेहरा भापुसे ने अकादमी के ऑन लाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का विधिवत शुभारम्भ किया। उन्होंने हरियाणा पुलिस अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे परिवीक्षु उप निरीक्षकों को संबोधित करते हुए इसकी शुरूआत की। ये प्रशिक्षणार्थी कोविड-19 के हालात में कानून एवं व्यवस्था डयूटी के लिए अपने-अपने नियुक्ति जिलों में तैनात हैं। 178 प्रशिक्षणार्थियों ने अकादमी से संचालित होने वाली पहली ऑनलाइन कक्षा से जुड़कर प्रशिक्षण व्याख्यान को सुना।

प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए निदेशक श्री योगिन्द्र सिंह नेहरा भापुसे ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को कोविड-19 के विरुद्ध

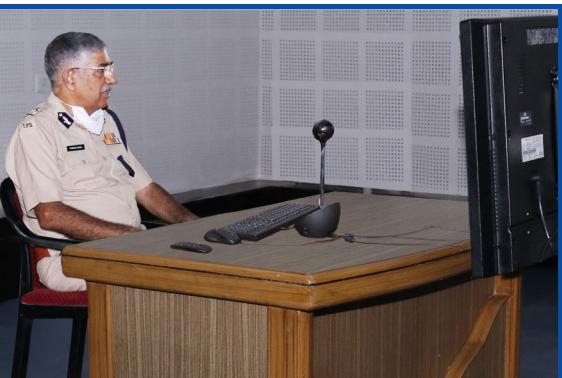
अच्छी डूयूटी करने के लिए बधाई दी। उन्होंने बताया कि परीवीक्षु उप निरीक्षकों का प्रशिक्षण चरणबद्ध तरीके से पुनः आरम्भ हो रहा है। इसके लिए उन्होंने हरियाणा के पुलिस महानिदेशक श्री मनोज यादव भापुसे एवं सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि नियमित प्रशिक्षण में काफी अंतराल आ गया है और बकाया प्रशिक्षण को एक तय समय में पूरा किया जाना है। सभी प्रशिक्षणार्थी और प्रशिक्षक अपनी-अपनी पुलिस इकाई में 8 जून तक चिकित्सा परीक्षण के लिए क्वारटीन रहेंगे। 14 जून तक सभी अकादमी में पहुंचेंगे। इसके बाद अकादमी में सामान्य प्रशिक्षण आरम्भ होगा। प्रशिक्षणार्थियों की सहायता के लिए 5 से 11 जून तक ऑन लाइन लघु प्रशिक्षण कार्यक्रम आरम्भ किया गया है। इस कार्यक्रम में अकादमी प्रशिक्षकों द्वारा कानून और पुलिस कार्यवाही की जानकारी प्रदान की जाएगी।



प्रयोग की सफलता को देखते हुए आज अकादमी के प्रशिक्षणार्थियों के शुरूआत करने पर अकादमी की टीम को बधाई दी। ऑन लाइन प्रशिक्षण की सहायता के अंकिता व साक्षी, फतेहाबाद में रेखा वर्मा, हांसी में कपिल देव व अन्य प्रशिक्षणार्थियों ने इस पहल को उपयोगी और समय की जरूरत बताया और प्रसन्नता व्यक्त की।

National Workshop on Outdoor Training-Strategies During Pandemic Director HPA Shared Experiences on Training

On 19th of June, 2020 A Webinar titled as "National Workshop on Outdoor Training-Strategies during pandemic" was organized by the Kerala Police Academy (KEPA). The Webinar was attended by various Police Training Academies of the country. Sh. Yoginder Singh Nehra,IPS; Director, Haryana Police Academy, Madhuban also attended the said online workshop. During this virtual workshop, strategies adopted by various training academies during the prevalence of COVID-19 for outdoor training relating to PT, Drill, Weapon training, Yoga, Stress Management, Unarmed Combat etc. were discussed and shared by the participants and experts. The Director, HPA shared the strategies adopted by Haryana Police Academy for resumption of training whilst strictly following the protocol for preventing COVID-19.



सिपाही की कलम से...

आसमान में काले बादल छाए हुए हैं,
बहुत तेज शोर मचाने वाली बारिश हो रही है।
मेरे घर के सामने वाली गली के नाले में,
बड़ी तेज गति से पानी बह रहा है।
डरा देने वाले बादल गरज रहें हैं,
चौंधिया देने वाले बिजलियां चमक रही हैं।
पर मैं चाँद देख सकता हूँ॥
जी को दहला देने वाला,
नीदें उड़ा देने वाला,
वो तूफान भी आ गया है।
पेड़ों की टहनियों को तोड़ता हुआ,
पानी में उथल-पुथल मचाता हुआ,

मैं चाँद देख सकता हूँ



-सिपाही विकाश
फोटो सेक्शन अकादमी

कंकड़ों से खेलता हुआ,
उम्मीद थी जिसकी लोगों के काँपते दिलों को।
लोग डरे से खड़े हैं अपनी खिड़कियों के पास,
सहमी सी निगाहों से ये सब देख रहे हैं।

पर मैं चाँद देख सकता हूँ॥

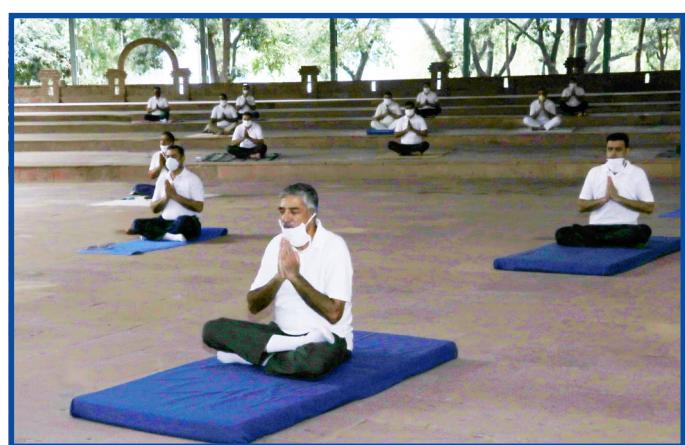
इस तेज बारिश में भी,
इतने भयंकर तूफान में भी,
मेरी मोमबती की लौ जरा सी नहीं डगमगाई,
तूफान आने से पहले जो प्यार से थी मैंने जलाई।

मेरी मेज पर पड़े पत्रे भी नहीं उड़े हैं।
और मुझे खुशी है कि
मैं चाँद देख सकता हूँ॥

योग को बनाएं अपनी दिनचर्या का हिस्सा :योगिन्द्र सिंह नेहरा

अकादमी में उत्साह के साथ मनाया गया पांचवा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

21 जून 2020 को हरियाणा पुलिस अकादमी में पांचवा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। जिसमें अधिकारियों व स्टाफ ने भाग लिया। इस अवसर पर अकादमी निदेशक पुलिस महानिरीक्षक श्री योगिन्द्र सिंह नेहरा भापुसे ने मुख्य योगकर्ता के रूप में भागीदारी की।



मुख्य योगकर्ता ने कार्यक्रम में शामिल योगकर्ताओं को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की बधाई देते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आयोजन होने से दुनिया भर में भारत की प्राचीन योग विद्या को पहचान मिली है। विश्व में जनसमुदाय ने अच्छे स्वास्थ्य के लिए योग को दिल से अपनाया है, हम सभी के लिए यह सौभाग्य और गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि योग को अपनी दिनचर्या का आवश्यक हिस्सा बनाएं। प्रतिदिन योग व प्राणायाम के लिए समय निकाले। ऐसा करने से जीवन को लम्बे समय तक सुखी और शरीर को निरोग रखा जा सकता है। समाज सेवा करने के लिए अच्छे मन और शरीर दोनों की जरूरत होती है। योग से शरीर अच्छा रहता है जिससे मन भी प्रसन्न रहता है। पुलिसकर्मियों को योग जरूर करना चाहिए क्योंकि उन पर समाज के हित में निरंतर कार्य करने का दायित्व है।

अकादमी के पुलिस अधीक्षक श्री कृष्ण मुरारी भापुसे ने इस अवसर पर बताया कि अकादमी निदेशक के नेतृत्व में अकादमी में योग प्रशिक्षण देने के लिए कुशल प्रशिक्षक हैं। योग को पुलिस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का अंग बनाया गया है, अन्य आवश्यक प्रशिक्षण के साथ अकादमी में नियमित रूप से योग प्रशिक्षण भी दिया जाता है। इस अवसर पर अकादमी के डीएसपी श्री राजकुमार, डीएसपी श्री शीतल सिंह धारीवाल, डीएसपी श्री सुन्दर सिंह, डीएसपी श्री लक्ष्मी देवी, डीएसपी श्री पवन कुमार व स्टाफ ने भी योग कार्यक्रम में भाग लिया।

धन्यवाद श्रीमान

अकादमी निदेशक श्री योगिन्द्र सिंह नेहरा भापुसे ने कोविड-19 के दौरान समय-समय पर प्रोटोकॉल का पालन करते हुए प्रशिक्षकों का उत्साहवर्धन एवं मार्गदर्शन किया। परिणामस्वरूप अकादमी परिसर से कोविड- 19 को दूर रखने में सफलता मिली। उन्होंने सभी का धन्यवाद किया व इसी तरह सुरक्षित रहते हुए प्रशिक्षण गतिविधियों को चलायमान रखने हेतु प्रेरित किया।



Resumption of Training

Fight Against Covid-19 Together

Novel Coronavirus Disease (Covid-19) out break as Pandemic. Suddenly more Police Personnel required in Haryana to assist the administration for implementation of Guidelines during lockdown. Trainees alongwith instructional staff (except newly appointed P/DSP Batch) were relieved for fight as Corona Worriers and other Law & Order duties on 18.03.2020. All training activities were hold till further order. Sh. Yoginder Singh Nehra IPS Director/HPA was regularly planning for safe resumption of training. After three months PHQ directed Academy to resume the training follow by all guidelines of WHO, Indian Govt. & State Govt. protocols against Covid-19. Sh. Y.S. Nehra discussed full proof plan of resumption of training with Sh. Manoj Yadava IPS DGP Haryana & after his approval the plan implemented successfully in HPA. Sh. Y.S. Nehra's dedication & hard work made possible for resumption of training. Director/HPA give credit to all his team including Sh. Krishan Murari, IPS, DSsP, Instructors, Medical staff & Group-D employees.

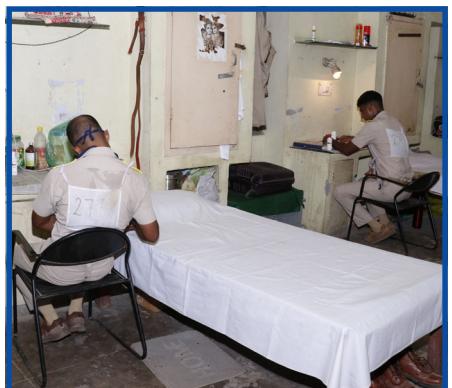
Phase wise arrival of trainees and staff (Post Lockdown) in the Academy



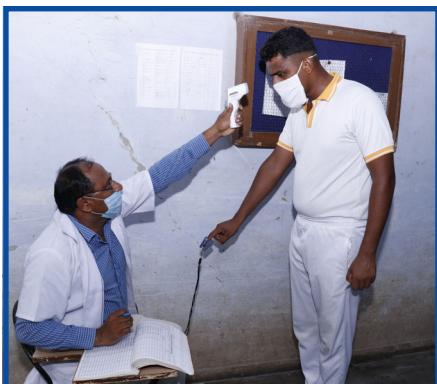
Medical Screening of Trainees & Staff at Reception Point



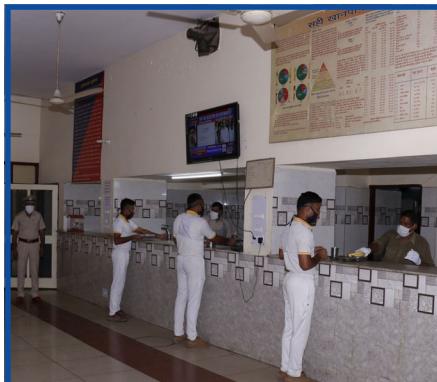
On-Line Classes During Isolation Period



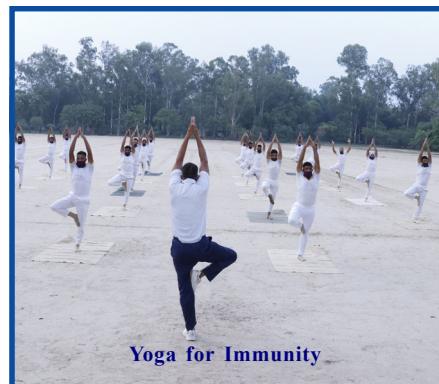
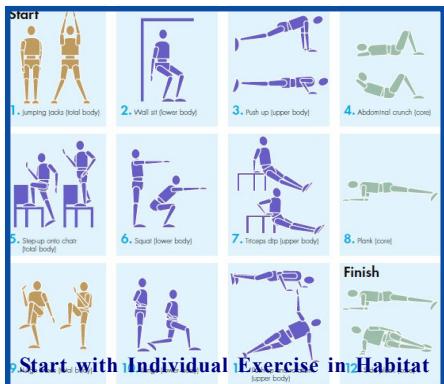
Daily Screening of Body Temperature, Sanitization of Residential & Training Area



Messing with Proper Hygiene, Sanitization & Staggered Timing



Resumption of Outdoor and Indoor training



Training Fully Resumed



Final Examination



Five IPS Probationer Officers of Haryana Cadre (RR-71) attended course from 26 May 2020 to 02 June 2020 at this Academy. This course was organise by SVP NPA Hyderabad and on-line training facilities were provided by Haryana Police Academy Madhuban.



पुलिस की नौकरी मात्र सेवा नहीं अपितु तपस्या है: डॉ. केपी सिंह

35 वर्ष के सफल सेवाकाल के बाद हुए सेवानिवृत्त

30 जून 2020 को अकादमी में हरियाणा के पूर्व डीजीपी, राज्य सरकार व्यूरो के महानिदेशक डॉ. केपी सिंह भापुसे के सेवानिवृत्त अवसर पर सम्मान विदाई परेड का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि डॉ. केपी सिंह भापुसे ने सशस्त्र पुलिस टुकड़ी की सलामी ली। वे 35 साल के सफल सेवाकाल के बाद सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर श्री मनोज यादव भापुसे पुलिस महीनिदेशक हरियाणा विशेष रूप से उपस्थित रहे।



करके दिखाया है। हरियाणा पुलिस एक बहादुर पुलिस है इसमें क्षमता भी है और जीवट भी। मानव तथा राष्ट्र की सेवा करने का जब्ता हरियाणा पुलिस के जवानों में कूट-कूट कर भरा है। आतंकवाद से लेकर कोरोना तक, हरियाणा पुलिस ने हमेशा अपनी योग्यता प्रदर्शित की है। उन्होंने अगले जन्म में भी इस पुलिस विभाग का हिस्सा बनने की कामना की।

डॉ. सिंह ने 35 साल के अनुभव का सार बताते हुए कहा कि हमेशा विद्यार्थी बने रहें और अपने ज्ञान में बढ़ोतरी करते रहें। इसके बिना न्याय की जंग में विजय हासिल नहीं हो सकती। स्वयं के लिए, अपने परिवार तथा समाज के लिए भी थोड़ा वक्त जरूर निकालें। अपनी प्राथमिकताओं का निर्धारण करते रहें। केवल कामयाबी की दौड़ में भागते न रहें। कुछ समय रुकें और आत्मविश्लेषण करें फिर प्राथमिकताओं का पुनर्निर्धारण करें।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा का हमेशा सम्मान करें और किसी से वैसा ही बर्ताव करें जैसा आप अपने लिए और अपने परिवार व मित्रों के लिए चाहते हैं। जीवन में मशीन की बजाय इंसान बनें। उन लोगों की सुनें जिनकी कोई नहीं सुनता या जो फरियादी अपनी बात नहीं सुना सकते। क्योंकि जो सक्षम हैं वह तो अपनी बात किसी भी माध्यम से आपको सुना ही देगा, परन्तु आप वह सुनने की कोशिश करें, जो सुनाई नहीं दे रहा, वह देखने की कोशिश करें, जो दिखाई नहीं दे रहा। यह सब करने से साधारण पुलिसकर्मी भी एक जिम्मेवार व संवेदनशील पुलिस अफसर बन सकता है। उन्होंने अपने सफल सेवाकाल के लिए अपने वरिष्ठ अधिकारियों, साथी अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित अपने परिवार एवं जनता का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने प्रदेश के शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व के प्रति भी अपनी कृतज्ञता प्रकट की। उन्होंने का शानदार विदाई परेड आयोजन के लिए हरियाणा पुलिस अकादमी के निदेशक श्री योगिन्द्र सिंह नेहरा भापुसे आभार व्यक्त किया व सराहना की। उन्होंने पुलिस अधिकारी श्री मोहम्मद अकील व श्री अरशिंदर चावला का भी आभार व्यक्त किया।

हरियाणा पुलिस के महानिदेशक श्री मनोज यादव भापुसे ने स्वागत संबोधन में डॉ. केपी सिंह की कार्यशैली एवं जीवन से परिचय कराते हुए कहा कि डॉ. केपी सिंह जैसे पुलिस अधिकारी विभाग एवं समाज के लिए अमूल्य संपत्ति होते हैं। इन्होंने अपने ज्ञान एवं कौशल



से हरियाणा पुलिस विभाग में विभिन्न पदों पर रहते हुए उन्हें गौरवान्वित किया है। इनका योगदान सदैव प्रेरित करता रहेगा। पुलिसिंग में एएसपी पद से अपना सफर आरम्भ किया और अंतिम वर्षों में पुलिस प्रमुख के पद पर आसीन होकर हरियाणा पुलिस नेतृत्व किया। पुलिस अधीक्षक पद पर हरियाणा के 8 जिलों क्रमशः भिवानी, हिसार, कैथल, अम्बाला, रोहतक, जीन्द, महेन्द्रगढ़, सोनीपत में जिम्मेदारी संभाली तथा राज्य अपराध शाखा, सीआइडी, एससीआरबी और एचएपी में भी अपनी सेवाएं दीं। डीआइजी और आइजी के पद पर 4 साल तक हरियाणा पुलिस के सीआईडी प्रमुख के रूप में चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारी का निर्वहन किया। पुलिस महानिरीक्षक के रूप में इन्होंने आइजीपी अम्बाला मंडल, उप निदेशक राज्य सतर्कता ब्यूरो, हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड, होमगार्ड प्रशिक्षण केन्द्र हरियाणा, हरियाणा पुलिस अकादमी मधुबन, आइजी ट्रेनिंग हरियाणा पंचकुला व आइजी जेल जैसे पदों पर महत्वपूर्ण कार्य किया। डॉ. सिंह ने अतिरिक्त महानिदेशक, महानिदेशक जेल व सुधार के पद पर सुधारगृहों में पारदर्शिता लाने, सूचना प्रोद्यौगिकी का कार्य में उपयोग करने जैसे क्षेत्रों में असाधारण कार्य किया। डीजीपी राज्य अपराध शाखा हरियाणा, हरियाणा मानवाधिकार आयोग और 13 अप्रैल 2016 से 27 अप्रैल 2017 व 1 से 21 फरवरी 2019 तक पुलिस महानिदेशक हरियाणा के पदों पर हरियाणा पुलिस का नेतृत्व करते हुए अपनी छाप छोड़ी।

डॉ. सिंह एक अच्छे पुलिस अधिकारी होने के साथ-साथ एक अच्छे लेखक और प्रशिक्षक भी हैं। साहित्य, पुलिस प्रशिक्षण और कानूनी विषयों पर इनकी 24 पुस्तकें, 4 मोनोग्राफ और ज्वलंत सामयिक विषयों पर 500 से अधिक लेख प्रकाशित हो चुके हैं। देश के अनेक समाचारपत्रों, पुलिस विज्ञान पत्रिका, बीपीआरडी जर्नल, द इण्डियन पुलिस जर्नल, सीबीआई बुलेटिन के पाठकों को आपके ज्ञानवर्धक लेखों का बेसब्री से इंतजार रहता है।

बच्चों, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और नागरिक अधिकारों से जुड़े कानूनों तथा संवेदनशील विषयों पर इन्होंने 300 से अधिक व्याख्यान विभिन्न संस्थानों में दिए हैं। डॉ. सिंह इंस्टीट्यूट ऑफ करेक्शनल एडमिनिस्ट्रेशन चण्डीगढ़, हरियाणा इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन गुरुग्राम, महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन चण्डीगढ़, सरदार वल्लभ भाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी हैदराबाद, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी नई दिल्ली, इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साईंस नई दिल्ली, हरियाणा इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल डिलेपमेंट नीलोखेड़ी, चण्डीगढ़ ज्यूडीशियल अकादमी, सीडीटीएस चण्डीगढ़, हरियाणा पुलिस अकादमी मधुबन जैसे देश के अनेक प्रतिष्ठित संस्थानों के लिए नियमित अतिथि वक्ता हैं। इन्हें प्रदान किए जाने वाले सम्मान की सूची भी लम्बी है। वर्ष 2016 में सराहनीय सेवाओं के लिए इन्हें भारत सरकार द्वारा पुलिस मेडल से अलंकृत किया गया है। साहित्य लेखन और प्रशिक्षण पुस्तकों के लेखन के लिए भी इन्हें 6 बार राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर पुरस्कृत किया गया है।

डॉ. सिंह की सृजनक्षमता व पुस्तकों के लिए इन्हें पंडित गोविंद वल्लभपंत पुरस्कार से नवाजा गया। ‘मानव अधिकार एवं पुलिस तंत्र’ पुस्तक के लिए राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग पुरस्कार, हिन्दी लेखन के लिए भारत सरकार से प्रतिष्ठित राजीव गांधी हिन्दी लेखन पुरस्कार और 2003 में पुस्तक समांतर के लिए व 2012 में हिन्दी कहानियों के लिए दो बार हरियाणा साहित्य अकादमी पुरस्कार से नवाजा गया है। इन्होंने दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, फ्रांस, इटली, बेल्जियम, मॉटी-कालों, संयुक्त अरब अमीरात व ट्रिनीशिया का भ्रमण किया है।

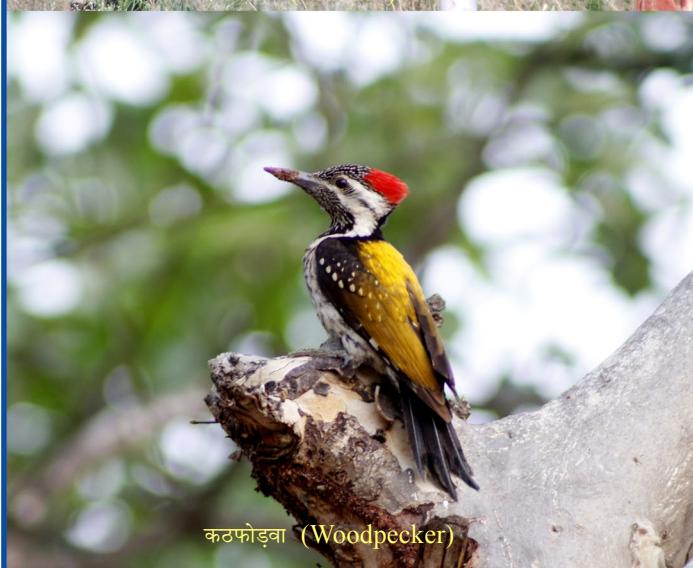
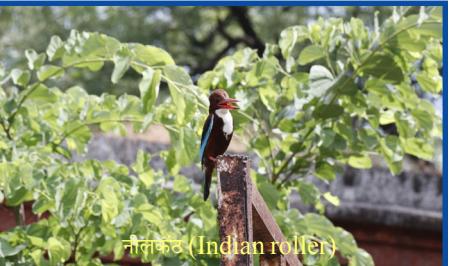
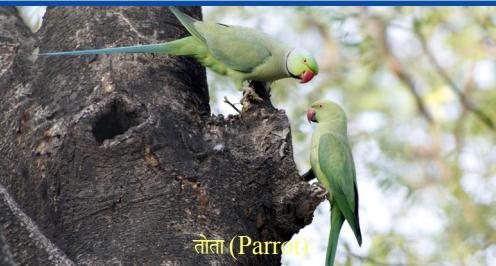
श्री मनोज यादव भापुसे डीजीपी हरियाणा ने डॉ. सिंह के सफल सेवाकाल के पूर्ण होने पर उन्हें व परिवारजनों को बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं व उन्हें स्मृतिचिन्ह भी भेंट किया। परंपरा अनुसार जिप्सी को रस्से से खींचकर पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों ने डॉ. केपी सिंह पर पुष्पवर्षा करते हुए सप्तमान विदाई दी। कार्यक्रम के अंत में हरियाणा सशस्त्र पुलिस के महानिरीक्षक श्री हरदीप सिंह दून भापुसे ने मुख्य अतिथि एवं समस्त दीर्घा का आभार व्यक्त किया। दीर्घा में मुख्य अतिथि के पारिवारिक सदस्य डॉ. श्रीमती दीपा सिंह, ब्रिगेडियर श्री राजकुमार, श्रीमती राजश्री, मेजर श्री अर्जुन चौधरी, व डॉ. मालविका सिंह तथा श्रीमती विनीता यादव विशेष रूप से उपस्थित रहीं।



इस अवसर पर डॉ. केपी सिंह भापुसे के बैचमेट डीजी कारागार श्री के. सेल्वराज भापुसे, एडीजीपी श्री श्रीकांत जाधव भापुसे, आइजीपी श्रीमती भारती अरोड़ा भापुसे, डीआइजी श्री कुलविन्द्र सिंह भापुसे, डीआइजी श्री ओपी नरवाल भापुसे, एसपी श्री कृष्ण मुरारी भापुसे, एसपी श्री हामिद अख्तर भापुसे, एसपी श्री ओमवीर सिंह भापुसे, एसपी श्री सुरेन्द्र पाल सिंह भापुसे, एसपी श्री मनीषा चौधरी भापुसे, एसपी सुश्री राजेन्द्र कुमार मीणा भापुसे, एसपी श्रीमती आस्था मादी भापुसे, एसपी श्री वसीम अकरम भापुसे, एसपी श्री सुरेन्द्र सिंह भौरिया, भी उपस्थित रहे।

मधुबन में पर्दे

पक्षी सुरक्षित भविष्य सुरक्षित



हरियाली और रस्ता प्रकृति से दोस्ती





THE DARK WEB : A PARADISE FOR SCAMMERS



-Dr. Neelam Arya Senior Scientific Officer (SOC)Forensic Science Laboratory Haryana.PhD.,MCA, LLB.

The dark Web has been used for legitimate and criminal activities. But the so-called Dark Web has been in the focus of the media in recent years, regularly in a negative context. For some, the dark Web provides the means to exercise their freedom of expression while others may use it for criminal exercises. Individual users and communities seeking online anonymity can utilize the dark Web for communications. Government bodies, like law enforcing and intelligence agencies, can leverage this platform to conduct covert operations and Internet surveillance. This platform is extremely useful in countries where a specific government controls the access, distribution, and publication of Internet content. In fact, there is a high demand for this platform by residents in repressive regimes in order to access blocked content. A multitude of leaked data can be purchased through the Dark Web nowadays. Recent reports highlight that the largest footprints of leaked data, which range from employee passwords to intellectual property, are linked to governmental institutions.

Therefore learning more about dark Web content allows for a better understanding of the cumulative harms and benefits that result from a technology like Tor. The Onion Router or Tor is the most common tool to access the dark Web. Just as ordinary people benefit from the anonymity offered by the Tor platform so do criminals, militants, and anti-social elements. One study reports that offenders are increasingly relying on the online platform to spread their crimes. For example, traditional crimes, like the sale of prohibited drugs, are now being carried out on the Internet. In addition, the dark Web has a history of being a breeding ground for many illicit activities. Illegal drugs, weapons, and identity theft are offered on this platform. A prime example of criminal activity on the dark Web is Silk Road, an online marketplace infamous for the illegal sale of drugs. The marketplace was shut down by the U.S. Federal Bureau of Investigation (FBI) in 2013. A report in 2015, also states that ISIS has been utilizing the dark Web to spread their network and to generate funds. As evident from these examples, dark Web technology has two faces that create a dilemma for policy-makers. The dual use of technology makes it difficult for law enforcement to bring down the network. On one hand, it emerges as a boon for the citizens of repressive regimes while on the other hand, it facilitates criminal and illicit activities. The dark web is full of hoaxes-almost all of which want you to part with your money in exchange for nothing in return.

The online extortion landscape in India is ripe with both extortionists and victims. While the law and orders is yet to catch up with the facts there is a latest dimension the job is both lucrative and easy. breaches to find dumped dresses. They match the cre- and then send him an email. scammer installed a malware past. This malware allowed access victim's Data on the him secretly.

It is suggested that he and he has been recorded such web sites, and in com- victim's email address and password are mentioned, unfortunately the victim recognizes both. Now he believes the



and figures and perpetrators, sextortion scammers. Their They score the old data passwords and email ad- dentials with a real individual The email suggests that the on the victim's system in the the scammers to not only system, but to also watch

has visited adult websites while watching media on promising position. Then

scammers. The rest of the email then dictates what the user must do to get out of this trench. He believes that the scammers own his social media accounts. They know his contact list. In order to keep the attackers from making the recording public, he must pay them.

There are many variants of this scam. In one, it seems as if the tricksters have sent the email from the victim's email address itself. But it is not so. It is just a trick to control the user completely. The password, however, will be a match, probably to an older and frequently used one. The reason are not becoz the attackers actually hacked the system, but they found the password from the previous data breaches. Another variant asks the user to click on a link to see the proof of the recording. As soon as the victim clicks on the link, a real information stealing Trojan is installed on the host system. This Trojan then downloads and installs a ransomware. Therefore, a healthy system gets infected with serious malware. A scam transforms into a real problem. The recent cases brought to the law-enforcement in India were one or the other variant of the scam. The central crime station and CID have received dozens cases, and it is just negligible number that represents the actual number of people being scared by this scam.

It is interesting to note that it is very difficult to nab the culprits, according to security researchers, the new variant uses a real hotmail or outlook email address to send the email. Any spam filter don't block these emails, so they end up in the end user's inbox. There are both technological as well as jurisdictional limitations to find the scammer who can be living else where in the world, and get back any payments already made to them. So, it is important that the users don't give in to the scare tactics. The scammers do not know anything about your web browsing habits. They just employ a hit and trial method. The steady rise in sextortion scam is rooted in the fact that a large chunk of population visits adult content on the internet. Additionally, real recordings of individuals in compromising positions, lost or stolen from their systems in the past, end up on the dark web. The tricksters use the knowledge of these two factors in refining their scare tactic and in using the right kind of information to get the victim in believing in their story. Scammers, law enforcement and surveillance opportunities do not make the Dark Web a reliable vector for sophisticated attackers. Therefore, monitoring the Dark Web does not play a superior role.

It is a good idea to educate yourself about the Indian Penal Code and Indian Criminal Procedure Code in case you want to take step in the legal direction. Sections 292 and 354C of the IPC and Section 108(1) (i) (a) of the CrPC gives you ample protection against anyone who threatens to make your private recordings or pictures in compromising position public, and against the publishing of such contents. While such data cannot be routinely targeted against an operation, it can open access to somewhere in the system and thus be the beginning of a longer attack path. Accordingly, it is important to monitor all parts of the web continuously through a holistic strategy, and develop and regularly practise emergency plans for rapid response to recognized data loss.

Adopting better password hygiene and keeping the operating system up to date is important for keeping your data and online habits private. If you want know if any of your accounts or passwords was ever hacked in the past, you can visit www.haveIEverBeenPwned.com. In case you really believe that the hackers have a real recording of you, you must visit the nearest cyber crime unit and make the incident known to the law enforcement agencies.

Email : drneelamarya@rediffmail.com

08 June 2020: P/ASI Rahul Bhardwaj & P/ASI Jaskarandeep Kaur of Chandigarh Police Passout after completion of their basic training at HPA Madhuban.



यादगार पल

सेवानिवृत्ति



श्री रामकला



श्री जसबीर



श्री कली राम



श्री राम निवास



निरीक्षक दलबीर सिंह



सहायक उप निरीक्षक ऋषि प्रकाश



उप निरीक्षक मुकेश



सहायक उप
निरीक्षक पूनम



सहायक उप निरीक्षक
राजमोहन

Chief Editor : Yoginder Singh Nehra, Director HPA; Editors : Krishan Murari SP/HPA, Luxmi Devi DSP, SI Ram Kumar, Omprakash & HC Sharmila Page-making: C-1 RamKishan ; Photo : HC Raju & Mr. Surender (Banti)